रात्री क्लास

23-10-67

ओम शान्ति 21-10-67

(मीठे) बच्चे और बच्चियाँ बैठी हैं। इसी विचार में बैठी है कि बाबा आया कि अम्मा। बाप दादा आया कि आया
(इन)का नाम ही है प्रजा पिता। शिव बाबा को प्रजा पिता नहीं कहेगे। वो है रूहानी पिता। अब किसकी या-
याद में बैठना चाहिये अर्थ सहित सब बाते बुध्दि में रखनी पड़ती हैं। बाप आते है इस रथ पर। ज्ञान तो
राल के लिये है। बाप सब आत्माओं के लिये कहते है देह अभिमान छोड़ मामेकम याद करो। जो गाया
ही जाता है निराकारी बाप। भगवान निराकार है। यो इनके बच्चे भी निराकार है। निराकारी दुनियां से आते है।
वहाँ यह शरीर नहीं है। आसुरी गुण होते है कलियुगी दुनिया में। या मनुष्यों में दैवी गुण होते है सतयुगी मनुष्य
में। यह सब बाते बच्चो की बुध्दि में है। बच्चे जानते है नालिज मिलती है। बाप कहते है मन मना भव। मध्या
जी भव का मंत्र है। बाप कहते है अपन को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो। कृष्न को बाप नहीं कहते।
तुम बच्चे किस को भी समझाओ चाहे कोई सन्यासी हो व कोई भी हो। पहले यह मंत्र दो। अच्छी रीत समझाय
कर निश्चय कराये लिखो हम बाप के बच्चे है वह ही पतित पावन है और सर्व शक्तिवान भी है। बच्चो को अच्छ
अच्छी रीत सिखाना है। कोशिश देनी है। सब आत्माओं का एक ही बाप है। आत्मायें पुनर जन्म में आती है।
सुख्य वतन का वार्ता वरण नहीं करना चाहिये। टू मच में न जाना चाहिये। बोलो प्रजा पिता तो मनुष्य होगा
न। तुम्हारा भी पिता ठहरा न। हम प0 प0 ब्रह्मा कुमार कुमारियाँ है। बाप ब्रह्मा द्वारा यह ज्ञान दे रहे है।
नहीं तो ब्रह्मा कहाँ से आया। ब्रह्मा तो चाहिये न। जब कि शूद्र से ब्राह्मण बनते है। ब्रह्मा द्वारा ही रचना
होती है इस मनुष्य सृष्टि की। फिर उन के अनेक वर्णों में आते है। प्रदर्शनी में हंगामा होता है। बहुत कठिन
है समझाना। अगर समझाना चाहिये तो अलग बिठाना चाहिये। बोलो बाप समझाते है इस में संशय न आना
चाहिये। इसमें प्रश्न उठ नहीं सकता। बाप सत्य ही बताते है बाकी सब है झूठ। भारत को सच खण्ड कहते थे।
अब झूठ खण्ड है। तुम कहते भी हो अच्छी रीत समझना हो तो सात दिन का कोर्स लो। मुसलमान आद कोई
भी होंगे सब का बाप है न। कहते है है पतित पावन। :- गांधी भी किसको याद करते थे। याद निराकार को
करते है। फिर सीता राम रघुपति~~xxx~~ राघव राजा राम कह देते है। तुमको समझाया कुं सब भक्त एक है
भगवान। सभी आत्माओं का वह बाप है। बाप को भगवान ही कहा जाता है। यह है मूल बात समझाने कि
को। क्राईस्ट भी देहधारी था। उनके अन्दर भी छोटी आत्मा है। यह बातें सन्यासी आद सुनाये न सके।
फादर कहते है यह बुधि में ठोक देना है। दुनिया गाड~~xx~~ फादर ही कहती है। सुप्रीम~~x~~ फादर
कहने से गाड फादर के लिए ही हो जाता है। नई दुनिया स्वर्ग भारत ही था वही नई दुनिया का मालिक
बनाने पढ़ाते है। जास्ती और कुछ समझाने की दरकार नहीं। सन्यासी कब न समझेगे। उनका दुकान ही खतम हो
जाये। सब फलोअर्स भी आ जाये। उन सब को पता है गीता श्रीकृष्ण भगवान की है। तुम समझाते हो कृष्ण
में ज्ञान नहीं था। श्रीकृष्ण सतयुग का प्रिन्स उनमें सृष्टि के आद मध्य अंत का ज्ञान कहाँ से आया। वह आते
ही है पुरुषोतम संगम युग पर। तुम संगम पर समझाये सकते हो। ~~xx~~ पुरानी दुनिया को नई बनाने वाला
भगवान ही है। लिखना पड़ेगा इस ज्ञान से उतरती कला, उस ज्ञान से चढ़ती कला। लिखना अच्छा होता है।
तुम लo नाo के चित्र निकाल देगे ~~xx~~ यह दुनिया स्थापन हो रही है। पुरानी दुनिया बदल~~x~~ रही है।
अब यह बनना हो तो अपनको आत्मा समझ बाप को याद करो। बच्चियाँ खड़ी हो बैठ जावे। lo पैसे मैं
तुम स्वर्ग की बादशाही पाये सकते हो। विश्व की बादशाही ले सकते हो। भारतवासी विश्व के मालिक बन
सकते है। अब बाप को याद करो तो तुम विश्व के मालिक बन जावेगे। पवित्र जरूर बनना पड़ेगा। मौत सामने
खड़ी है। वहाँ काम कटारी का निशान ही नहीं। निश्चय बुधि विजयन्ती, संशय बुधि विनश्यन्ती। तो बहुतों
कल्याण कर देगे। दूसरो को कल्याण कर लेते खुद गिर पड़ते है। ऐसे भी बहुतों पर ग्रहचारी बैठती है।
भी पैसा ~~क्लास~~ (क्लास) तो दूसरों का भी~~xxx~~ क्लास। अच्छा मीठे 2 बच्चों को बाप व दादा का याद
~~x~~ गुड नाईट। बच्चों को नमस्ते। ओम शान्ति।